



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 152]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 1, 2019/फाल्गुन 10, 1940

No. 152]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 1, 2019/PHALGUNA 10, 1940

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2019

सा.का.नि. 172(अ).—वायुयान (सुरक्षा) नियम, 2011 का और संशोधन करने के लिए वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 द्वारा यथाअपेक्षित कतिपय नियमों का प्रारूप नागर विमानन मंत्रालय संख्या सा.का.नि. 1184(अ), तारीख 7 दिसंबर, 2018, भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में पूर्व प्रकाशित किए गए थे, उन सभी व्यक्तियों से जिनके प्राभावित होने की संभावना है, उक्त अधिसूचना के राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराने की तारीख से पंद्रह दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

प्रारूप नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त किए गए सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान (सुरक्षा) नियम, 2011 संशोधन और करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (सुरक्षा) संशोधन नियम, 2019 है।
- (2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- वायुयान (सुरक्षा) नियम, 2011, (जिसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के खंड (ग) में प्रयुक्त “आयुक्त” शब्द, जहां आता है के स्थान पर “महानिदेशक” शब्द रखा जाएगा।
- उक्त नियमों के नियम 2 में :—

(i) खंड (ग) में “सुरक्षा आयुक्त (नागर विमानन), नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो, नागर विमानन मंत्रालय” शब्दों के स्थान

पर “महानिदेशक” शब्द रखे जाएंगे।”

(ii) खंड (छ) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड रखा जाएगा अर्थात्:—

“(छ) ‘महानिदेशक’ से अभिप्रेत महानिदेशक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो, नागर विमानन मंत्रालय है,

(iii) नियम (यक), के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

“(यकक), “अनुसूचित भारतीय विमान वाहक” से वह विमान वाहक अभिप्रेत होगा, जिसे नागर विमानन महानिदेशक से (अनुसूचित प्रचालक यात्री) वायु प्रचालक प्रमाणपत्र प्राप्त है।”

4. नियम 4 में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के स्थान पर “ऐसे आदेश के पारित होने के पश्चात् से साठ दिन की अवधि के भीतर नागर विमानन मंत्रालय में भारत सरकार के सचिव” शब्द रखे जाएंगे।

5. उक्त नियम के नियम 6 में परंतुक के स्थान पर, निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा अर्थात्:—

“परंतु, तब जबकि महानिदेशक संभावित खतरे तथा किसी अन्य कारण से दीवार या चारदीवारी अथवा बाड़ के विनिर्देशों के संबंध में आदेश द्वारा, उपांतरित कर सकेंगे।”

6. उक्त नियमों 26 में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

“परंतु वायुयान ऑपरेटर द्वारा सुरक्षा कृत्यों के निष्पादन के लिए भारतीय अनुसूचित वाहक अथवा हवाईअड्डा ऑपरेटर के साथ संविदा की जा सकेगी और ऐसी सुरक्षा के कृत्यों में लगे हैं, यथास्थिति भारतीय अनुसूचित वाहक अथवा हवाई ऑपरेटर, पूर्णकालिक सीधे कर्मचारियों को इस नियम में विनिर्दिष्ट पूरा करके प्राप्त की जा सकेगी।”

[फा. सं. एवी.11021/3/2015-एस]

उषा पांडी, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 34(अ), तारीख 19 जनवरी 2012 द्वारा भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उप खंड (i) में प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st March, 2019

G.S.R. 172(E).—Whereas the draft of certain rules further to amend the Aircraft (Security) Rules, 2011 were pre-published, as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), vide notifications of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation Number G.S.R. 1184(E) dated 7th December, 2018 in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), inviting objection and suggestion from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of the period of fifteen days from the date on which copies of the Gazette of India, in which this notification is published are made available to the public;

And whereas suggestions have been received from the public in respect of the draft rules, were considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 4, read with section 5, of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft (Security) Rules, 2011, namely:—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Security) Amendment Rules, 2019.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft (Security) Rules, 2011, (hereinafter referred to as to the said rules), for the word “Commissioner” wherever it occurs, the word “Director General” shall be substituted.

3. In rule 2 of the said rules,—

- (i) in clause (c), for the words and brackets, “Commissioner of Security (Civil Aviation), Bureau of Civil Aviation Security, Ministry of Civil Aviation”, the word “Director General” shall be substituted;
- (ii) for clause (g), the following clause shall be substituted, namely:—
‘(g) “Director General” means the Director General of the Bureau of Civil aviation Security in the Ministry of Civil Aviation;’
- (iii) after clause (za), the following clause shall be inserted, namely:—
‘(zaa) “Scheduled Indian Air Carrier” means an air carrier which has received an Air Operator Certificate (Scheduled or Scheduled Commuter Operator) from the Directorate General of Civil Aviation;’.

4. In rule 4, for the words “the Central Government”, the words, “the Secretary to the Government of India in the Ministry of Civil Aviation, within a period of sixty days from the date on which such order is passed” shall be substituted.

5. In rule 6 of the said rules, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided that the Director General, keeping in view the threat or any other reason, may, by order, modify the specification of the perimeter wall or fence.”.

6. In rule 26 of the said rules, the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that an aircraft operator may enter into a contract with an Indian Scheduled Carrier or an Aerodrome Operator for performance of security functions and engage for such security functions, the whole time direct employees of the Indian Scheduled Carrier or the Aerodrome Operator, as the case may be, who meet the requirements specified in this rule”.

[F. No. AV.11021/3/2015-AS]

USHA PADHEE, Jt. Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* notification number G.S.R. 34(E), dated the 19th January, 2012.